एक बार तो पधारो मेलघाट में...

ट्रायबल टूरिजम की अपार संभावना

बहती नदियां, जंगली फूल, ऐतिहासिक आमनेर, गोलाई का झरना

संवाददाता, 13 दिसंबर

धारणी- तापी, गडुगा, सिपना जैसी बहती नदियां और आसमान से बातें करते सागवान के पेड़, नीले पहाड़ों की कतारें, प्राकृतिक झरने साथ ही आदिवासी समुदाय की अपनी निराली जीवनशैली को एक सूत्र में पुरोने पर शहर के पर्यटकों के लिए मेलघाट एक आकर्षण बन सकता है. डिगिटल हरिसाल और नजदीक के प्राकृतिक जंगलों में टायगर सफारी का विकल्प उपलब्ध होने पर लोगबाग स्वयं कहेंगे कि 'एक बार तो पधारो मेलघाट में'.

विदर्भ के नंदनवन के रूप में चिखलदरा संपूर्ण राज्य सहित मध्यप्रदेश में भी मशहूर है. यहां पर्यटकों की जबरदस्त भीड़ रहने से प्रकृति के सानिध्य में बैठकर पहाड़ी-खाई को देखने का आनंद मिलना कठिन हुआ है. शहर की भागमभाग और जटिल जीवनशैली में रमे लोग प्राकृतिक जंगलों में जीवन का आनंद तलाश रहे हैं. मेलघाट के धारणी तहसील में आधुनिक पर्यटन व्यवसाय की छाप न रहने वाले अनेक स्थान (प्वाईंट) हैं. इसके अलावा जंगली फूल और दुनिया में कहीं भी न पाने वाले दुर्लभ वन्यजीव और संपदा उपलब्ध रहने से यहां पर्यटन की अपार संभावना है. मेलघाट का धारणी तहसील वैसे फिलहाल पर्यटन के मानचित्र पर नहीं, मगर नये से अंकित करने के लिए अजनबी गोलाई का झरना, हरिसाल में नौका विहार, पुणमल वन्यजीव विभाग की टाइगर सफारी, डिगिटल ग्राम स्थित निसर्ग निर्वचन केंद्र, प्रसिद्ध प्राणी विशेषज्ञ जीमकार्बेट मेलघाट के जिस विश्राम गृह में रुके थे वह ऐतिहासिक रंगुबेली का रेस्ट हाउस, मालूर (वन) का बांस निर्मित टावर, ताप्या टोपे और आदिवासी नायक टंट्या भील (मामा) के वास्तव्य की कथा सुनाता आमनेर का किला, चेथर गांव के निकट तापी-सिपना के संगम तथा ढाकणा के निकट कलकल बहने वाली गडुगा का अनुपम दृश्य 'ट्रायबल टूरिजम कारिडोर' को साथ जोड़कर सरकारी स्तर पर प्रचार-प्रसार करने पर चिखलदरा आनेवाले पर्यटक धारणी जरूर पहुंचेंगे. मध्यम महाराष्ट्र, उत्तर महाराष्ट्र, खानदेश और मध्यप्रदेश से आनेवाले पर्यटक एक दिन धारणी में जरूर बितायेंगे.

बोरी गांव में वन औषधि वाटिका और कोठा के निकट ग्राम ज्ञानपीठ जिज्ञासु पर्यटक या अभ्यासकों को आकर्षित करने के लिए सक्षम है. विविध प्राकृतिक संपदा और प्रत्येक मौसम में रंग बदलने वाला जंगल चिखलदरा ही नहीं बल्कि धारणी में भी यह उपलब्ध है. स्थानीय जंगल उष्णीय कटिबंधी पतझड़ का जंगल के रूप में दर्ज है. पतझड़, सावन, बसंत, बहार यह चारों ऋतु का आनंद लेने की प्राकृतिक सुविधा धारणी के जंगल में प्रकृति ने उपलब्ध करवाई है. चिखलदरा के सामने धारणी का पर्यटन खजाना अब तक उजागर नहीं हो पाया, यह एक कटु सत्य है. धारणी तहसील में बारिश में घना जंगल व ठंड में नदी पर्यटन व दुर्लभ पंछियों की उड़ान तथा ग्रीष्म में वन्य प्राणियों का टाइगर सफारी दर्शन संभव है. टायगर टूरिजम संकल्पना को साकार करने में धारणी का कायापलट हो सकता है.

बहती नदी

वन विश्रामगृह

धारणी : मेलघाट की प्राकृतिक सुंदरता को दर्शाती तस्वीरें तथा पारंपारिक नृत्य करते आदिवासी बंधु.

ट्रायबल टूरिजम एक संकल्पना

प्राकृतिक वरदान और प्रकृति द्वारा बिखरे रंग देखने की रुचि सब को होती है. साथ ही शहर की भागदौड़ भरी जिंदगी को कुछ फुरसत के पल जंगल में गुजारकर आदिवासियों की दिनचर्या से रूबरू होने का अवसर मिले तो सीमेंट के जंगलों में रहकर पर्यटन की उम्मीद रखने वाले युवाओं को आकर्षित करना संभव है. धारणी के निकट ढाकणा, रंगुबेली, मांग्या, चौराकुंड, कुंड, मालूर (वन), चेथर, कोठा आदि गांवों में आदिवासियों की परंपरागत कला उनके घर के जैसे या घास के झोपड़े बनाकर पर्यटकों को किराये से देने पर स्थानीय जीवन पध्दति में शहरी लोगों को अनुभव मिल सकता है. इसके लिए सरकार स्तर पर निधि उपलब्ध किया गया तो गांव में ही रोजगार मिल सकेगा. धारणी तहसील में विविध सुविधा स्थुलित स्थानीय सरकारी महकमों में समन्वयक साधकर दी जा सकती है. प्रमुखता से आदिवासी संपर्क कार्यालय पश्चिम मेलघाट वनविभाग, लोकनिर्माण विभाग, व्याघ्र प्रकल्प और पंचायत समिति द्वारा सामूहिक प्रयास करने पर ट्रायबल टूरिजम संभव है. इसके अलावा भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा आमनेर में अन्य ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी उपलब्ध कर मरम्मत करने से धारणी भी एक अलग पर्यटन केंद्र हो सकेगा.

बांस निर्मित टावर

रामचरित मानस पारायण का महंत के हाथों भूमिपूजन

श्री गुरुकृपा सत्संग समिति का आयोजन

प्रतिनिधि, 13 दिसंबर

अमरावती-संत श्री सीतारामदास बाबा की रजत पुण्यतिथि निमित्त संगीतमय रामचरित मानस नवान्ह पारायण मंडप का बुधवार की सुबह भूमिपूजन किया गया. इस अवसर पर संत सीतारामदास बाबा मंदिर के महंत महामंडलेश्वर मनमोहनदास बाबा के करकमलों से तथा बाबा की कृपा पात्र शिष्या सुश्री मंगलाश्रीजी व समाजसेवी चुन्नीलाल मंत्री की उपस्थिति में विधिविधान संग समारोह संपन्न हुआ.

अंबादेवी मार्ग पर स्थित ओसवाल भवन के प्रांगण में आयोजित इस समारोह में श्रीनिवास लड्ढा, विश्व जागृति मिशन के अध्यक्ष नंदलाल खत्री, पूर्व महापौर विलास इंगोले, माहेश्वरी पंचायत के अध्यक्ष विनय करवा की विशेष उपस्थिति रही. पंडित भागीरथजी शर्मा के मंत्रोच्चार के बीच पूजन विधि पूर्ण की गई. समारोह में चुन्नीलाल मंत्री ने महंत मनमोहनदास बाबा का शाल, श्रीफल प्रदान कर स्वागत किया.

अमरावती : रामचरित मानस नवान्ह पारायण मंडप का भूमिपूजन करते मान्यवर. फोटो -जय स्टूडियो, अमरावती

संत मंगलाश्रीजी व भक्त चुन्नीलाल मंत्री की विशेष उपस्थिति
1008 संत श्री सीतारामदासजी बाबा पुण्यतिथि महोत्सव

समारोह में बाबा के नाम स्मरण से परिसर गूंज उठा था. इस अवसर पर बाबा का विशेष रूप से पूजन किया गया. पूजन की विधि अशोक जाजू व उमा जाजू तथा राजकुमार टवाणी व संगीता टवाणी दम्पति ने पूर्ण की. आगामी 18 से 27 दिसंबर तक स्थानीय ओसवाल भवन में आयोजित दस दिवसीय संगीतमय श्री रामचरित मानस नवान्ह पारायण से भक्ति की गंगा शहर में अवतरित होगी.

पारायण को लेकर आयोजकों की ओर से व्यापक तैयारियां की जा रही है. इस क्रम में बड़े भक्तिमय वातावरण में कथा पंडाल का भूमिपूजन किया गया. दस दिनों तक राम भक्ति में श्रद्धालु इस कार्यक्रम के माध्यम से लीन दिखाई देंगे. शहरवासियों ने उपस्थित रहने का आव्हान समिति के सदस्य प्रा. बाबा राउत ने किया है. कार्यक्रम का आभार दयालनाथ मिश्रा ने माना.

इस अवसर पर पार्षद अजय सारस्कर, विवेक कलोती, ओमप्रकाश चांडक, प्रमोद भारतीय, साहेबराव घोड़की, कैलास पावनवाले, संजय गुप्ता, लक्ष्मीकांत खंडेलवाल, श्यामसुंदर खंडेलवाल, सुरेश साबू, जगदीश कलंत्री, संजय राठी, नटवर डोंगर, नंदकिशोर भूतड़ा, संतोष पवारे, दीपक साबू, श्याम टोम्पे, विनोद जाजू, कर्नलसिंग राहल, शुभम शेगोकार, नारायणदास सोनी, सावलदास भूतड़ा, गोपाल जायसवाल, हरगोविंद भूतड़ा, मनोज वर्मा, निकेश शर्मा, घनश्याम शर्मा, अमृतराव टोम्पे, जी.एच. लड्ढा, मनोहरलाल छांगाणी, राजेंद्र महाले, गजानन ठाकरे, जय जोशी गोपाल भूतड़ा, विनय भूतड़ा, पंकज शर्मा, गणेश पैठणकर, अरविंद सोनी, डॉ. नंदकिशोर भूतड़ा, सुरेश राठी, प्रकाश पुरोहित, अनिल मुणोत, घनश्याम मालाणी, कमल सोनी, जयप्रकाश सारडा, नितेश चड्ढा, गोपालदास राठी, मुरलीधर भूतड़ा, श्याम डोंकणे, प्रेम गैरे, आशीष डोंकणे, युवराज उमरेकर, दयालनाथ मिश्रा, सत्यप्रकाश गुप्ता, कमलकिशोर मालाणी, सचिन इंगोले, जगदीश पैठणकर, जय तिवारी, हर्ष लड्ढा, तुलसीदास बागड़ी, शुभम छांगाणी, सुयोग भूतड़ा, नीता कक्कड़, उमा व्यास, उर्मिला कलंत्री, विनया राठी, गायत्री सोमाणी, रश्मि मूंदड़ा, निशा जाजू, सरोज चांडक, सीमा दीदी, कल्पना राठी, सीमा बाहेती, विद्या भूतड़ा, पुष्पा भूतड़ा, चंद्रदेवी भूतड़ा, हरगोविंद भूतड़ा, विजय भूतड़ा, पूनम भूतड़ा, काजल भूतड़ा के साथ बड़ी संख्या में बाबा के भक्त उपस्थित थे.

गांव-गांव, शहर-शहर, प्रांत-प्रांत हरेक को मिले परिणाम
'जानिए जमीनी सच्चाई से जुड़े लोगों का सच्चा अनुभव'

वास्तविक अनुभव: पूजा हरनल उ.प्र. की रहने वाली है। वह अपने चेहरे पर पिम्पल्स से काफी परेशान थी। जिसके लिए इन्होंने काफी कॉस्मेटिक क्रीमों का इस्तेमाल किया, पर कोई फर्क नहीं पड़ा। फिर इन्होंने सहेली के कहने पर रूप मंत्रा फेस वॉश से चेहरे को धोकर आयुर्वेदिक रूप मंत्रा क्रीम शुरू की। मात्र एक महीने के प्रयोग से ही चेहरे के पिम्पल्स में काफी फर्क दिखा।

पूजा हरनल

वास्तविक अनुभव: मैं शिवानी शेट्टी चंडीगढ़ की रहने वाली हूं। पिछले काफी समय से मेरे चेहरे का रंग सांवला और स्किन बहुत ऑयली हो गई थी। मैंने दिन में दो बार रूप मंत्रा फेस वॉश से चेहरा धोकर रूप मंत्रा आयुर्वेदिक क्रीम लगाई। अभी मुझे इनका इस्तेमाल करते हुए तीन हफ्ते ही हुए हैं लेकिन मेरे चेहरे की स्किन मुलायम और ऑयल फ्री हो गई है।

शिवानी शेट्टी

वास्तविक अनुभव: अल्का गौतम हि.प्र. की रहने वाली है। अल्का का कहना है कि वह जॉब करती है और आफिस में आने-जाने के दौरान पोल्यूशन या फॉस्ट-फूड खाने से इनके चेहरे की स्किन सांवली व बेजान होने लगी थी। इन्होंने रूप मंत्रा आयुर्वेदिक क्रीम को भी दिन में दो बार लगाया व रूप मंत्रा फेस वॉश का नियमित प्रयोग किया। वे लिखती हैं कि अब इनके चेहरे पर स्थाई ग्लो एंड फील आया है।

अल्का गौतम

वास्तविक अनुभव: मैं रोहित कोचर नई दिल्ली का रहने वाला हूं। मॉडलिंग और एक्टिंग मेरा सपना है। लेकिन कुछ महीनों मेरा चेहरा गहरा, ऑयली नजर आने लगा, साथ ही चेहरे पर पिम्पल्स भी हो गए। मैंने रूप मंत्रा आयुर्वेदिक क्रीम, फेस वॉश के कम्प्लीट ट्रीटमेंट का एक महीने इस्तेमाल किया। मुझे इससे बहुत फायदा मिला।

रोहित कोचर